



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 7—सितम्बर 13, 2013 (भाद्रपद 16, 1935)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7—SEPTEMBER 13, 2013 (BHADRA 16, 1935)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]  
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by  
Statutory Bodies]

वास्तुकला परिषद्

नई दिल्ली-110003

वार्षिक रिपोर्ट 2011-2012

वास्तुकला परिषद् वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अधीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन गठित किया गया एक सांविधिक निकाय है। परिषद् को 31.03.2012 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए परीक्षित लेखा विवरण सहित अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है।

संगठनात्मक संरचना :

वास्तुकला परिषद् का प्रेसीडेंट संगठन का प्रमुख होता है जिसके समग्र प्रभार के अधीन परिषद् काम करती है।

सांविधिक तथा अन्य समितियाँ :

वास्तुविद् अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए विनियमों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए परिषद् ने सांविधिक समितियाँ गठित की हैं, यथा कार्यकारिणी समिति, जो परिषद् के कार्यकारी प्राधिकारी के रूप में काम करती है, अनुशासन समिति; जो शिकायतों की जांच-पड़ताल करती है और वास्तुविदों के व्यावसायिक कदाचार के संबंध में जांच करती है; सलाहकार समिति (अपील), जो उन आवेदकों की अपीलों की सुनवाई करती है जिनके पंजीकरण के मामले परिषद् द्वारा अस्वीकार कर दिए जाते हैं। इनके अलावा, विशेष/खास प्रयोजनों के लिए समय-समय पर अन्य समितियाँ गठित की जाती हैं।

परिषद् और उसकी समितियों की बैठकें :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान परिषद् की दो बैठकें हुई :-- 16 सितंबर, 2011 को 57वीं बैठक नागपुर, महाराष्ट्र में और 9 मार्च, 2012 को 58वीं बैठक गोवा में।

कार्यकारिणी समिति की सात बैठकें हुई अर्थात् नई दिल्ली में 27 अप्रैल, 2011 को 109वीं बैठक; नई दिल्ली में 3 जून, 2011 को 110वीं बैठक; नई दिल्ली में 28 जून 2011 को 111वीं बैठक; नई दिल्ली में 27 जुलाई, 2011 को 112वीं बैठक; नागपुर में 15 सितम्बर, 2011 को 113वीं बैठक; नई दिल्ली में 21 नवम्बर, 2011 को 114वीं बैठक तथा गोवा में 8 मार्च, 2012 को 115वीं बैठक हुई।

रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान परिषद् द्वारा लिए गए विभिन्न निर्णयों और कार्रवाइयों का सारांश नीचे दिया जा रहा है :--

#### 1.0 वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अधीन परिषद् द्वारा रखे गए वास्तुविद् रजिस्टर में नामों को फिर से चढ़ाना :

परिषद् ने अपनी 57वीं बैठक में 01.01.2011 से 31.07.2011 तक की अवधि में 1033 चूककर्ता वास्तुविदों के नामों को वास्तुविद् रजिस्टर में फिर से दर्ज करने का अनुमोदन प्रदान किया । इन वास्तुविदों के नाम अपेक्षित फीस प्राप्त हो जाने के बाद वास्तुविद् रजिस्टर में पुनः दर्ज किए गए थे ।

परिषद् ने अपनी 58वीं बैठक में 01.08.2011 से 31.01.2012 तक की अवधि में 542 चूककर्ता वास्तुविदों के नाम वास्तुविद् रजिस्टर में फिर से दर्ज करने का अनुमोदन प्रदान किया । इन वास्तुविदों के नाम अपेक्षित फीस प्राप्त हो जाने के बाद वास्तुविद् रजिस्टर में पुनः दर्ज किए गए थे ।

#### 2.0 निवेदन करने पर तथा निधन होने पर वास्तुविद् रजिस्टर से नामों को हटाना :

परिषद् ने अपनी 55वीं बैठक में वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अनुच्छेद 29(1)(ख) के अधीन निम्नलिखित वास्तुविदों के नाम उनकी मृत्यु पर वास्तुविद् रजिस्टर से हटा दिए :--

- (i) श्री दिलीप कुमार वर्मा, भोपाल (सीए/82/6850);
- (ii) श्री श्रीनिवास गानोरकर, मुम्बई (सीए/76/2670);
- (iii) श्री महेश खानडेरकर मंत्री, मुम्बई (सीए/75/1860);
- (iv) श्री एस एन चावला, हैदराबाद (सीए/75/1065);
- (v) श्री एम वी राम शेशु, हैदराबाद (सीए/82/7186);
- (vi) श्री सुदर्शन कांति गोस्वामी, गुडगाँव (सीए/88/11383);
- (vii) श्री जवाहर लाल आर्य, लखनऊ (सीए/76/2987);
- (viii) श्री नौशीर नौरोजी मेहता, मुम्बई (सीए/75/204);
- (ix) श्री कामीआकर राजाराम रेगे, मुम्बई (सीए/76/2783);
- (x) श्री प्रेम नाथ नायर, नई दिल्ली (सीए/75/270); तथा
- (xi) श्री तेज कृष्ण गंजू, नई दिल्ली (सीए/78/4592);

इसके अतिरिक्त परिषद् ने वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अनुच्छेद 29(1)(क) के तहत निम्नलिखित वास्तुविदों के नाम भी उनके द्वारा निवेदन करने पर हटा दिए :--

- (i) सुश्री अंजली, न्यूयार्क, यू एस ए (सीए/2003/30637);
- (ii) श्रीमती सरोजनी एस. हंकारे, मुम्बई (सीए/76/470);
- (iii) श्री शंकर एस हंकारे, मुम्बई (सीए/76/466);
- (iv) श्री शेषाद्री आई गुरुमुर्ती, चेन्नई (सीए/94/16764);
- (v) श्री सत कुमार कपूर, नई दिल्ली (सीए/76/623);
- (vi) सुश्री प्रीति सुरेश मिश्रा, नवी मुम्बई (सीए/2004/33185); तथा
- (vii) श्री आर वी तलसानी, गोनडल, (सीए/76/3382);

परिषद् ने अपनी 56वीं बैठक में वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अनुच्छेद 29(1)(ख) के अधीन निम्नलिखित वास्तुविदों के नाम उनकी मृत्यु पर वास्तुविद् रजिस्टर से हटा दिए :--

- (i) श्री एस एस साबनी, कोल्हापुर (सीए/75/976);
- (ii) श्री रमेश सदाशिव जौल, मुंबई (सीए/85/9129);
- (iii) श्री कपिल देव सहगल, नई दिल्ली (सीए/75/89);
- (iv) श्री जगदीश एस सयाल, दिल्ली (सीए/75/2119); तथा
- (v) श्री कैमिली करावाल्ह, मुंबई (सीए/2001/27877);

इसके अतिरिक्त परिषद् ने वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अनुच्छेद 29(1)(क) के तहत निम्नलिखित वास्तुविदों के नाम भी उनके द्वारा निवेदन करने पर हटा दिए :--

- (i) श्री राजन गुरीदप लकूले, मुंबई (सीए/85/8941);
- (ii) श्री चिमनलाल चूनीलाल गांधी, सूरत (सीए/77/3863);
- (iii) सुश्री प्रीति जी टेम्भेकर, नागपुर (सीए/2001/28147);
- (iv) श्री एन जी गुजराती, मुंबई (सीए/75/2180);
- (v) श्री समीर शुक्ला, अहमदाबाद (सीए/98/22913);
- (vi) श्री वी. बालासुब्रमनयन, तिरुचिरापल्ली (सीए/75/2110);
- (vii) श्री होमी एन. कंगा, मुंबई (सीए/75/1655); तथा
- (viii) श्री कपिल मर्चेन्ट, पुणे (सीए/2002/29721)

इसके अतिरिक्त, वास्तुकला परिषद् द्वारा, एक्स. सं. 36/2009-कंवर पाल शर्मा बनाम रामकेश मामले में माननीय अपर जिला एवं सेशन जज, केन्द्रीय जिला, तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली के दिनांक 27.05.2011, 24.12.2010 एवं 08.10.2010 तथा अन्य सम्बद्ध आदेशों के अनुसार, वास्तुकला परिषद् विनियमावली, 1982 के विनियम 5(1) के तहत संकल्प पारित किया गया जिसे परिषद् के दिनांक 10 जून, 2011 पत्र सं. सी. ए./28/2011/पी.एम.सी. (आदेश-ए.डी.जे. दिल्ली) द्वारा परिचालित किया गया। यह पत्र पंजीयन सं. सी. ए./87/10693 के तहत पंजीकृत वास्तुविद् श्री रामेश्वर दयाल का नाम हटाने के लिए था क्योंकि श्री रामेश्वर दयाल को, जिला न्यायालय, नई दिल्ली को जानबूझ कर गुमराह करने तथा गलत मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए वास्तुविद् (व्यावसायिक आचरण) विनियमावली 1989, 2003 में यथा संशोधित, के विनियम 2(1)(□□□) एवं (x) के तहत व्यावसायिक दुराचार का दोषी पाया गया था।

### 3.0 अनुशासन समिति की बैठकें :

रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान परिषद् की अनुशासन समिति की कोई बैठक नहीं हुई क्योंकि वास्तुकला परिषद् नियम, 1973 में वर्ष 2009 में हुई संशोधन के अनुसार केंद्रीय सरकार को अनुशासन समिति का गठन करके उसे राजपत्र में अधिसूचित करना है। तथापि, केंद्रीय सरकार ने अभी तक अनुशासन समिति का गठन नहीं किया है और इसीलिए सभी मामले लंबित पड़े हैं।

### 4.0 वास्तुविदों का पंजीकरण :

परिषद् वास्तुविद् अधिनियम की धारा 25 के अधीन वास्तुविद् के रूप में ऐसे व्यक्ति का नाम पंजीकृत करती है जो भारत में रहता हो या वास्तुकला का व्यवसाय करता हो और जो मान्यताप्राप्त वास्तुकलात्मक अर्हता रखता है।

वर्ष (1 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012) के दौरान परिषद् ने वास्तुविदों के रूप में 3399 व्यक्तियों का पंजीकरण किया। इस प्रकार 31 मार्च, 2012 तक वास्तुकला परिषद् में वास्तुविदों के रूप में कुल 54915 व्यक्तियों का पंजीकरण किया गया है। इस प्रकार, वास्तुकला परिषद् में 31 मार्च, 2012 को वास्तुविद् के रूप में 41428 व्यक्तियों के पास वैध पंजीकरण है।

### 5.0 वास्तुविद् बोर्ड, सिंगापुर और अन्य देशों के साथ पारस्परिक मान्यता करार :

भारत सरकार और सिंगापुर सरकार के बीच हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक सहयोग करार (सीईसीए) के निबंधनों के अनुसार परिषद् वास्तुविद् बोर्ड, सिंगापुर के साथ पारस्परिक मान्यता करार (एमआरए) करने के लिए वार्ता कर रही है जिससे कि भारतीय वास्तु-अर्हता और वास्तुविदों के पंजीकरण को सिंगापुर में और सिंगापुर वास्तु-अर्हता और वास्तुविदों के पंजीकरण को भारत में मान्यता दी जा सके।

परिषद् वास्तुविद् बोर्ड सिंगापुर के साथ इस मामले में बातचीत करके पारस्परिक मान्यता करार को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रही है ताकि एक दूसरे के देश में वास्तुकलात्मक अर्हताओं और पंजीकरण को मान्यता मिल सके।

#### 6.0 भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा राष्ट्रीय भवन संहिता (कोड) का निर्माण :

परिषद् ने अपने पत्र तारीख 30 अक्टूबर, 2009 के द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए जा रहे राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) की कार्यवाहियों से अपने नामितों को निकाल लिया है। भारतीय मानक ब्यूरो ने राष्ट्रीय भवन संहिता के प्रस्तावित प्रावधानों में वास्तुविदों की सक्षमता और कार्यों को गैर-वास्तुविदों के पक्ष में दर्शाया है और वास्तुविदों के व्यवसाय को राष्ट्रीय भवन संहिता के अधीन विनियमित करने की कोशिश की है जोकि वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के विपरित है।

#### 7.0 वास्तुविदों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई :

प्रत्येक वास्तुविद् से यह अपेक्षा की जाती है कि वह 2003 में संशोधित वास्तुविद् (वृत्तिक आचरण) विनियमावली, 1989 के उपबंधों का पूर्णतः पालन करेगा। वास्तुविद् अधिनियम में यह व्यवस्था की गई है कि यदि किसी वास्तुविद् को जांच-पड़ताल और सुनवाई का अवसर प्रदान किए जाने के बाद वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

परिषद् द्वारा अपनी 57वीं बैठक में वास्तुविदों के विरुद्ध व्यावसायिक अनाचार संबंधी 18 शिकायतों पर विचार किया गया जिसमें से 5 वास्तुविदों के विरुद्ध प्रथम दृष्टि मामला पाया गया तथा मामले को विस्तृत जांच हेतु अनुशासन समिति को सौंप दिया गया।

परिषद् द्वारा अपनी 58वीं बैठक में वास्तुविदों के विरुद्ध अनाचार संबंधी 8 शिकायतों पर विचार किया गया जिनमें से 6 वास्तुविदों के विरुद्ध प्रथम दृष्टि मामला पाया गया तथा मामले को विस्तृत जांच हेतु अनुशासन समिति को सौंप दिया गया।

#### 8.0 शिक्षा-सत्र 2011-2012 में नई संस्थाओं का अनुमोदन :

रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए 60 नई संस्थाओं को अनुमोदन प्रदान किया गया। पहले से विद्यमान संस्थाओं में 11 नए बी. आर्की. डिग्री पाठ्यक्रमों, 12 नए एम. आर्की. डिग्री पाठ्यक्रमों को अनुमोदन प्रदान किया गया। इस प्रकार 2011-2012 में वास्तुकला में मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करने वाली संस्थाओं की कुल संख्या बढ़कर 234 हो गई। छात्रों की वार्षिक प्रवेश संख्या अनुमानतः पूर्वस्नातक (यूजी) स्तर पर 15151, स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर पर 1400 और पीएच-डी स्तर पर 30 है।

#### 9.0 शिक्षा-सत्र 2010-2011 से आगे अनुमोदन की अवधि बढ़ाना :

वास्तुकला परिषद् ने शिक्षा-सत्र 2011-2012 के लिए 108 संस्थाओं के वास्ते बी. आर्की. और एम. आर्की. पाठ्यक्रमों के अनुमोदन या अन्यथा की अवधि निम्नलिखित ढंग से बढ़ाई :

- (i) वे संस्थाएं जिनमें 2011-2012 से आगे वर्तमान या अधिक दाखिले सहित बी. आर्की. पाठ्यक्रम के लिए अनुमोदन की अवधि बढ़ाई गई : 11
- (ii) वे संस्थाएं जिनमें 2011-2012 से आगे के लिए वर्तमान या अधिक दाखिले सहित एम. आर्की. पाठ्यक्रम के लिए अनुमोदन की अवधि बढ़ाई गई : 10
- (iii) वे संस्थाएं जिनमें वर्ष 2011-2012 के लिए कोई “प्रवेश नहीं” है : शून्य
- (iv) वे संस्थाएं जिनकी 2011-2012 से ‘मान्यता वापस’ ले ली जाएगी : शून्य

परिषद् ने शिक्षा-सत्र 2011-2012 के लिए उन संस्थाओं का निरीक्षण करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है जिनका निरीक्षण किया जाना है।

#### 10.0 केन्द्रीय सरकार द्वारा वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के अधीन विदेशी अर्हताओं की मान्यता :

परिषद् को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से निर्देश प्राप्त हुए हैं कि वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के प्रयोजन के लिए लिंकन स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, यूनिवर्सिटी ऑफ लिंकन, यू के को मान्यता प्रदान की जाए।

विदेशी योग्यताओं को मान्यता देने संबंधी सभी मामलों की जांच करने एवं विचार करने के लिए परिषद् द्वारा विदेशी योग्यताओं को मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदनों पर विचार करने के लिए एक समिति गठित की गई है। इस संबंध में परिषद् की सिफारिशों को आगामी समय में केन्द्र सरकार को मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजा जाएगा।

#### 11.0 मान्यताप्राप्त अर्हताओं वाले व्यक्तियों को वास्तुविद् के रूप में पंजीकरण प्रदान करने से पूर्व वास्तुकला परिषद् द्वारा वृत्तिक परीक्षा का संचालन :

परिषद् ने वास्तुविद् के रूप में पंजीकरण प्रदान करने से पूर्व वृत्तिक परीक्षा का संचालन करने से संबंधित मसौदा विनियमों का अनुमोदन कर दिया है। केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए विनियमों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है।

अध्यक्ष, वास्तुकला परिषद् ने माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री से भेंट करके इस मामले में केंद्रीय सरकार के अनुमोदन पर शीघ्र कार्यवाही के लिए निवेदन किया है।

#### 12.0 प्रशिक्षण कार्यक्रम :

वर्ष के दौरान शिक्षकों और पेशेवर वास्तुविदों के लिए 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। इन कार्यक्रमों में 150 व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमें देश के 45 वास्तुकला विद्यालयों और 4 व्यावसायिक कार्यालयों तथा संस्थाओं के सहभागी शामिल थे।

कार्यक्रमों का विवरण निम्न प्रकार है :

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	समन्वयक का नाम	तारीख	सहभागियों की संख्या
1.	पी आर ए कार्यशाला	प्रो. अनिता गोखले-बेनीन्जर	02 मई से 06 मई 2011 तक	08
2.	स्पेस सिन्टेक्स	डॉ. आर. के. पंडित	13 जून से 17 जून 2011 तक	17
3.	विषय-संरक्षण	वास्तुविद् अंजलि व किरण कलमदानी	26 जुलाई से 30 जुलाई 2011 तक	06
4.	अरली फैंकल्टी इंटीरियर डिजाइन	प्रो. उज्ज्वला चक्रदेव एवं डॉ. लक्ष्मी राव	01 अगस्त से 10 अगस्त 2011 तक	13
5.	एकीस्टीक्स	प्रो. माधव देवभक्ता	11 नवंबर से 15 नवंबर 2011 तक	21
6.	नव-शहरीकरण	डॉ. आर के पंडित	21 नवंबर से 25 नवंबर 2011 तक	06
7.	ट्रांशमिशन ऑफ नोलिज़ इन आर्किटेक्चर (नागपुर में)	वास्तुविद् प्रतिमा धोके	22 नवंबर से 26 नवंबर 2011 तक	28
8.	वास्तुकला में अनुसंधान संकल्पनाएं	डॉ. आर के पंडित	19 दिसंबर से 23 दिसंबर 2011	16
9.	हाउसिंग स्टूडियो	प्रो. प्रदम्या चौहान	09 जनवरी से 13 जनवरी 2012 तक	05
10.	ग्रामीण स्टूडियो समीक्षा	प्रो. अनिरुद्ध पॉल	22 फरवरी से 23 फरवरी 2012 तक	06
11.	नाट प्रश्न कोश विकास कार्यशाला (एन टी क्यू)	पुश्कर कविंदे	20 मार्च 2012	24
कुल सहभागी				150

कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्थलीय अनुभवों के अनेक सत्र सम्मिलित हैं। कार्यक्रमों में सम्मिलित विषय निम्न प्रकार हैं :-

1) पी आर ए कार्यशाला (व्यावहारिक) : 2 मई से 6 मई, 2011 (पांच दिन) प्रो. अनिता गोखले-बेनीन्जर द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :

1. भूमिका
2. कार्य-सत्र-I, II, III, IV
3. पूर्ण कार्य-सत्र-I, II, III, IV
4. क्षेत्रीय दौरे

2) स्पेस सिन्टेक्स : 13 जून से 17 जून, 2011 (पांच दिन) डॉ. आर. के. पंडित द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :

- |  |                                  |
|--|----------------------------------|
| 1. वास्तुकला स्पेस एवं सिन्टेक्स                   | 7. समय और स्थल की यात्रा         |
| 2. वास्तुकला डिजाइन में स्पेस सिन्टेक्स            | 8. स्थल और समय का निर्माण        |
| 3. हाउस प्रकार                                     | 9. समय संवलन तथा गतिविधि मान्यता |
| 4. स्थलों की एकरूपता व विषमता                      | 10. ह्यूमन मोशन                  |
| 5. अग्रभाग   | 11. सिन्टेक्स विश्लेषण           |
| 6. स्थल योजना के समाजशास्त्रीय व मनोवैज्ञानिक पहलू | 12. आकार गतिकी                   |

- |   |  |
|---|--|
| 13. मार्गदर्शी आंकड़े   | 17. शहरी सिन्टेक्स   |
| 14. इंटेलिजेन्ट बिल्डिंग या इंटेलिजेन्टली डिजाईड बिल्डिंग्स         | 18. शहरी योजना तथा प्रबंधन में सोफ्ट कम्प्यूटिंग का प्रयोग |
| 15. ग्रीन बिल्डिंग्स तथा अनुरूपण प्रक्रिया हेतु मूल्यांकन मैट्रिक्स | 19. जी आई एस एवं योजना विश्लेषण                            |
| 16. शहरी विश्लेषण   |  |

3) विषय-संरक्षण : 26 जुलाई से 30 जुलाई, 2011 ( 5 दिन ) वास्तुविद् अंजली एवं किरण कलमदानी द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :

- |  |  |
|--|--|
| 1. किमाया में 20 वर्षों से संरक्षण     | 9. स्थलीय दौरे एवं संरक्षण केस स्टडीज़ |
| 2. विरासत समिति तथा सेल पर एक दृष्टि   | i. विशरंभावाडा                         |
| 3. संरक्षण के प्रति उपागम              | ii. महाबलेश्वर-जेर विला                |
| 4. संगीत व वास्तुकला                   | iii. थेअर में मंदिर परिसर              |
| 5. संरक्षण के ढांचागत पहलू             | iv. बेलापुर किला                       |
| 6. शहरी संरक्षण के अनुभव               | v. किन्हई में मंदिर                    |
| 7. जिला संरक्षण एवं पर्यटन हेतु दृष्टि | vi. कृषि कॉलेज                         |
| 8. शनिवारवाड़ा में मराठा महान की गैलरी | vii. दक्षिणी कॉलेज                     |

4) अरली फ़ैकल्टी इंट्रोडक्शन : 1 से 10 अगस्त 2011 ( 10 दिन ) प्रो. उज्ज्वला चक्रदेव व डॉ. लक्ष्मी राव द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :-

- |                             |   |
|-----------------------------|---|
| 1. ब्लूमस टैक्सोनॉमी        | 10. वास्तुकला में सृजनात्मकता                         |
| 2. हायर ऑर्डर थिंकिंग       | 11. जीवन, शिक्षा व वास्तुकला का दर्शन                 |
| 3. इवेंट्री                 | 12. छः थिंकिंग हैट्स                                  |
| 4. शिक्षण का मापदंड         | 13. छः थिंकिंग हैट्स का प्रयोग करते हुए डिजाइन अभ्यास |
| 5. शिक्षण के मॉडल्स         | 14. स्टूडियो में यूनिट योजना के नियम                  |
| 6. अधिगम तरीकों की इवेंट्री | 15. संस्थापित डिजाइन प्रक्रिया                        |
| 7. एन एल पी                 | 16. अनुसंधान संकल्पनाएं                               |
| 8. शिक्षण-अधिगम वातावरण     | 17. अनुसंधान विधियां                                  |
| 9. सृजनात्मकता की भूमिका    | 18. व्यावसायिक निकायों की भूमिका                      |

5) एकीस्टीक्स : 11 से 15 नवंबर, 2011 ( पाँच दिन ) प्रो. माधव देवभक्ता द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :

- |   |  |
|---|--|
| 1. आरंभिक टिप्पणी   | 9. एकीस्टीक्स संकल्पनाएं ( एंथ्रोपो-कोसमोस मॉडेल ) |
| 2. एकीस्टीक्स विज्ञान की जरूरत                              | 10. एकीस्टीक्स संकल्पनाएं ( 18 परिसंकल्पनाएं )     |
| 3. एकीस्टीक्स फ्रेमवर्क्स ( जनसंख्या मापक )                 | 11. टेक्सोनॉमी वर्गीकरण                            |
| 4. एकीस्टीक्स फ्रेमवर्क्स ( समय मापक )                      | 12. सी. ए. डॉक्सीएडीस एवं एकीस्टीक्स               |
| 5. एकीस्टीक्स फ्रेमवर्क्स एकीस्टीक्स ईकाईयां ( घरेलू मापक ) | 13. संकल्पनाएं एवं उदाहरण                          |
| 6. एकीस्टीक्स फ्रेमवर्क्स एकीस्टीक्स घटक ( घरेलू मापक )     | 14. सतत्धारणीय शहरों की योजना                      |
| 7. एकीस्टीक्स संकल्पनाएं ( क्यू ओ एल- प्रीसिपल )            | 15. संश्लेषण                                       |
| 8. एकीस्टीक्स संकल्पनाएं ( आइडिया )                         |  |

6) नव-शहरीवाद : 21 से 25 नवंबर, 2011 ( 5 दिन ) डॉ. आर. के. पंडित द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :

- |                                 |                                |
|---------------------------------|--------------------------------|
| 1. नव-शहरीकरण                   | 11. शहरी विश्लेषण              |
| 2. शहरीकरण का इतिहास            | 12. जोनिंग                     |
| 3. भारतीय लोग एवं संस्कृति      | 13. शहरी रूप विज्ञान           |
| 4. नया शहरीवाद                  | 14. शहरी जनसंख्या एवं पर्यावरण |
| 5. शहरी मोजेक                   | 15. शहरी तकनीक                 |
| 6. सततधारणीय नव शहरीवाद         | 16. शहरी परिदृश्य              |
| 7. सततधारणीय भविष्य (पेरी शहरी) | 17. शहरी पारिस्थितिकी          |
| 8. शहरी सीमावर्ती विश्लेषण      | 18. शहरी डिजाइन एवं ढांचा      |
| 9. शहरी पैटर्न                  | 19. शहर परिवर्तन               |
| 10. शहरी डिजाइन की धारणा        |                                |

7) वास्तुकला में ज्ञान का पारेषण : 22 नवंबर से 26 नवंबर, 2011 वास्तुविद् प्रतिमा धोके द्वारा समन्वित

8) अनुसंधान संकल्पनाएं : 19 से 23 दिसंबर, 2011 ( 5 दिन ) डॉ. आर. के. पंडित द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय:

- |                                   |   |
|-----------------------------------|---|
| 1) अनुसंधान संकल्पनाओं की भूमिका  | 7) तर्क एवं वितर्क                                |
| 2) अनुसंधान संकल्पनाओं का दर्शन   | 8) पारस्परिक माइक्रो/मैक्रो अनुसंधान सत्र-II      |
| 3) वैज्ञानिक अनुसंधान तकनीक       | 9) आंकड़ा विश्लेषण के सैंपलिंग व मात्रात्मक तरीके |
| 4) पारस्परिक समूह अनुसंधान सत्र-I | 10) पीआरपी/आरपीआर/पीआर एवं सिनॉपसिस               |
| 5) वास्तुकलात्मक अनुसंधान तरीके   | 11) अनुसंधान नीतिशास्त्र                          |
| 6) अनुसंधान ढांचा एवं डिजाइन      | 12) सिद्धांत, व्यावहारिक एवं दिशा-निर्देश         |

9) हाउसिंग स्टूडियो : 9 से 13 जनवरी, 2012 ( 5 दिन ) प्रो. प्रदन्या चौहान द्वारा समन्वित सम्मिलित विषय :

1. हाउसिंग की पृष्ठभूमि
2. हाउसिंग व शहरीकरण, जनसंख्या विस्फोट, संयुक्त भूमि प्रयोग एवं हाउसिंग घनत्व
3. 'क्रिस्टोफर एलेक्जेंडर द्वारा पैटर्न लैंगवेज' की पृष्ठभूमि
4. बताए जाने वाले डिजाइन मामले क्या हैं?
5. सम्मिलित डिजाइन विकास, क्लस्टर डिजाइन मामले
6. सम्मिलित डिजाइन विकास, ईकाई डिजाइन मामले
7. बनावट, ग्रिड का अध्ययन, मोड्यूलर अनुपात का विश्लेषण
8. हाउसिंग परियोजना के लिए डिजाइन टिप्पणी कैसे लिखी जाए?
9. मुंबई की वर्नाकूलर हाउसिंग, कोर्टयार्ड हाउसिंग, पोल हाउसिंग, चालों का केस अध्ययन
10. आधुनिक हाउसिंग आर्टिस्ट विलेज, एशियाड विलेज, आरण्य हाउसिंग, एकिस्टीक्स ग्रिड की भूमिका का केस अध्ययन
11. रिजवी वास्तुकला कॉलेज पर कार्यान्वित की गई हाउसिंग परियोजनाएं

(10) ग्रामीण स्टूडियो समीक्षा : 22 से 23 फरवरी, 2012 (2 दिन) प्रो. अनिरुद्ध पॉल और प्रो. जयश्री देशपांडे द्वारा समन्वित।

(11) नाट्य प्रश्नकोश विकास कार्यशाला : 20 मार्च, 2011 (1 दिन) प्रो. पुष्कर कविंदे द्वारा समन्वित।

### 13.0 राष्ट्रीय वास्तुकला अभिक्षमता परीक्षा (नाट्य)

ऐसे भावी छात्रों के लिए जो वास्तुकला पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक हैं, उनके लिए वास्तुकला में राष्ट्रीय अभिक्षमता परीक्षा 15 अप्रैल, 2011 से 30 अक्टूबर, 2011 तक आयोजित की गई थी।

नाट्य परीक्षा की स्थिति निम्नानुसार है :-

1. विशिष्ट उम्मीदवारों की कुल संख्या : 20064
2. नियुक्तियों की कुल संख्या : 25355
3. परिणाम घोषित : 23617
4. उत्तीर्ण उम्मीदवार : 16436
5. अनुत्तीर्ण उम्मीदवार : 7181

### 14.0 राष्ट्रीय शोध-प्रबंध पुरस्कार कार्यक्रम :

वास्तुकला परिषद् ने 'निआसा' के माध्यम से युवा प्रतिभाशाली उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करने के लिए पूर्व-स्नातक शोध-प्रबंध परियोजनाओं हेतु छठा राष्ट्रीय शोध-प्रबंध पुरस्कार कार्यक्रम शुरू किया। आंचलिक कार्यक्रम निम्नलिखित स्थानों पर आयोजित किए गए :-

जोन	स्थान	समन्वयकारी कॉलेज
1.	गुड़गाँव	सुशांत स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर, गुड़गाँव
2.	नागपुर	आई डी ई ए एस--इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एजुकेशन एंड आर्किटेक्चर स्टडीज, नागपुर
3.	नासिक	विद्या वर्धन्स आईडिया, इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन इनवायरॉनमेंट एंड आर्किटेक्चर, नासिक
4.	बिजापुर	बीएलडीई एशोसिएशंस वी पी, डॉ. पी जी हलाकट्टी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिजापुर
5.	चेन्नई	सथ्याबामा विश्वविद्यालय, चेन्नई

निम्नलिखित आंचलिक जूरी के सदस्य थे:-

1. गुड़गाँव - वास्तुविद् अनिरुद्ध पॉल, वास्तुविद् एडगर डि मेलो एवं वास्तुविद् अनुप नायक
2. नागपुर - वास्तुविद् एम. एन आशीष गंजू, वास्तुविद् आई एम चिश्ती एवं वास्तुविद् चित्रा विश्वनाथ
3. नासिक - वास्तुविद् सत्यप्रकाश वराबशी, वास्तुविद् सूर्य काकानी एवं वास्तुविद् डी वी सोलोमन
4. बिजापुर - वास्तुविद् शरद् पांचाल, वास्तुविद् वंदना रंजीत सिंह एवं वास्तुविद् स्नेहांशु मुखर्जी
5. चेन्नई - वास्तुविद् आयान सेन, वास्तुविद् जेमिनी मेहता एवं वास्तुविद् सविता पुंडे

राष्ट्रीय जूरी का आयोजन बी एम एस कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, बैंगलूर में किया गया। राष्ट्रीय फाइनल के लिए जूरी के सदस्य थे - वास्तुविद् के जयसिम, वास्तुविद् गुंटर नेस्ट एवं वास्तुविद् राम शर्मा।

### 15.0 वास्तुकलात्मक प्रतियोगिताएं:

परिषद् वास्तुकलात्मक प्रतियोगिताओं का संचालन करके अनेक प्रवर्तकों की उन्हें भवनों के निर्माण के लिए वास्तुविदों का चयन करने में सहायता करती रही है।

परिषद् ने अनेक लोक प्राधिकारियों को लिखा है कि वे वास्तुविदों की नियुक्ति निविदा या बोली प्रक्रिया के जरिए न्यूनतम फीस की अदायगी के आधार पर न करके वास्तुकलात्मक प्रतियोगिता दिशा-निर्देशों के अनुसार करें। प्रवर्तकों और प्रतियोगियों ने प्रतियोगिताओं का संचालन करने में जब भी परिषद् से दिशा-निर्देशों की उन्हें परिषद् द्वारा तुरंत उपलब्ध कराया गया है।



## 16.0 वास्तुविद् अधिनियम, 1972 और इसके अधीन तैयार विनियमों को लागू करना :

वास्तुविद् अधिनियम, 1972 की धारा 36 और 37 के अधीन वास्तुविद् के रूप में अयथार्थ रूप प्रस्तुत करने के साथ-साथ वास्तुविद् की पदवी और शैली के दुरुपयोग के निषेध का उल्लंघन एक दंडनीय अपराध है। वास्तुविद् की पदवी और शैली के दुरुपयोग के संबंध में शिकायत मिलने पर परिषद् धारा 39 के अधीन प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपराधों का संज्ञान लेने के लिए शिकायत दर्ज कराती है।

परिषद् उन व्यक्तियों के विरुद्ध मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, नई दिल्ली में दर्ज की गई आपराधिक शिकायतों का तेजी से अनुसरण कर रही है जिन्होंने वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के उपबंधों का उल्लंघन किया है और वास्तुविद् की पदवी और शैली का अयथार्थ रूप प्रस्तुत या दुरुपयोग किया है। इस समय 13 शिकायतें न्यायालय के समक्ष न्यायनिर्णयन के लिए लंबित हैं।

इसके अतिरिक्त विभिन्न न्यायालयों में वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के उपबंधों को लागू करने से संबंधित और अन्य संबंधित मामलों के लगभग 99 मामले लंबित पड़े हैं जिनमें परिषद् एक पक्षकार है।

## 17.0 प्रकाशन:

वास्तुकला शोध प्रबन्ध में श्रेष्ठता हेतु पुरस्कारों “आर्काइविंग आर्किटेक्चरल थैसिस’ 06,07,08” आर्काइविंग आर्किटेक्चरल थैसिस’ 10 शीर्षक नामक पुस्तिका प्रकाशित की गई तथा प्रो. माधव देवभक्त द्वारा रचित “आर्बिट्रेशन फार आर्किटेक्ट्स” शीर्षक नामक पुस्तिका जिसके डिजाइन एवं विषय वस्तु को अंतिम रूप दिया जा चुका था, उसे मुद्रित एवं प्रकाशित किया गया। डॉ. मोना डॉक्टर द्वारा तैयार की गयी पुस्तक “मोनोग्राफ ऑफ पोपो पिंगेल” की 500 प्रतियां वास्तुकला कालेजों को वितरित करने हेतु प्राप्त की गई।

निम्नलिखित पुस्तकों की डिजाइनिंग प्रक्रिया चल रही है और शीघ्र ही प्रकाशित होने की संभावना है :

- i. दि कोर्टयार्ड वाडा ऑफ महाराष्ट्र : डॉ. रुपा राजे गुप्ता द्वारा
- ii. आर्काइविंग आर्किटेक्चरल थैसिस 2011

## 18.0 आधार :

वास्तुकला परिषद् अपने अत्यल्प स्टाफ के साथ अखिल भारतीय स्तर पर दक्षतापूर्वक काम कर रही है। परिषद् केंद्रीय सरकार, सभी राज्य सरकारों और सभी वास्तुकला विद्यालयों को वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के कार्यान्वयन में उनके द्वारा प्रदत्त सहयोग के लिए उनका धन्यवाद और प्रशंसा करती है। परिषद् अपने पदाधिकारियों और वास्तुकला परिषद् के सदस्यों, विशेषज्ञों, लेखापरीक्षकों, अधिवक्ताओं, अन्य व्यावसायिक निकायों, प्रैक्टिस कर रहे वास्तुविदों, शिक्षाविदों और सभी विज्ञापकों के प्रति वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के उद्देश्यों को बढ़ावा देने में उनके द्वारा प्रदत्त सहयोग, मार्ग-दर्शन, सलाह तथा समर्थन के लिए भी आधार व्यक्त करती है।

परिषद् अपने अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उन सभी लोगों के प्रति आधार व्यक्त करती है जिन्होंने वर्ष 2011-2012 के दौरान उसे उपयोगी सेवाएं प्रदान कीं।

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 23-01-2013

विनोद कुमार  
रजिस्ट्रार

-----  
शैलेश अग्रवाल एंड एसोशिएट्स  
सनदी लेखाकार  
नई दिल्ली-110017  
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

हमने वास्तुकला परिषद्, इंडिया हैबिटेड सेंटर, कोर 6 ए, प्रथम तल, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 के 31 मार्च, 2012 के संलग्न तुलन-पत्र तथा 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा एवं प्राप्त तथा अदायगी लेखा (इसमें परिषद् के कार्यालयों के सभी लेखे शामिल हैं) की परीक्षा कर ली है। ये वित्तीय विवरण परिषद् के प्रबंधन की जिम्मेदारी है और लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों के बारे में राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है।

हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत किए गए लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के अनुसार यह अपेक्षित है कि हम लेखापरीक्षा की योजना एवं निष्पादन ऐसा उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए करते हैं कि क्या वित्तीय विवरण किसी विशेष गलत विवरण से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में नमूना के आधार पर जांच करना और वित्तीय विवरणों में राशि एवं प्रकटनों का पोषक साक्ष्य शामिल होता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का निर्धारण तथा प्रबंधन द्वारा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमान और समूचे वित्तीय विवरण की प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि अनुलग्नक सं. 14- लेखाओं के भाग के रूप में महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ नोट सं. 01, 02, 04, 05, 06, 07 और 10 से 14 तक हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए उचित आधार प्रस्तुत करती है।

हम रिपोर्ट देते हैं कि :

1. हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक थे;

2. हमारी राय में, हमने लेखा बहियों की जो जांच की है उससे यह प्रकट होता है कि परिषद् ने वास्तुविद् अधिनियम, 1972 द्वारा अपेक्षित रूप में उचित लेखा बहियाँ रखी हुई हैं;
3. तुलन-पत्र तथा आय-व्यय लेखा और प्राप्ति एवं अदायगी लेखा, लेखा बहियों से मेल खाते हैं; और
4. हमारी राय में और जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें जो स्पष्टीकरण दिए गए हैं उनके अनुसार संलग्न अनुसूचियों सहित और लेखाकरण नीतियों के भाग के रूप में टिप्पणियों के साथ पठित उक्त लेखा विवरण में—
  - (क) 31 मार्च, 2012 को परिषद् की कार्यस्थिति से संबंधित तुलन-पत्र;
  - (ख) उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए व्यय से अधिक आय संबंधित आय-व्यय लेखे; और
  - (ग) उसी तारीख को समाप्त वर्ष के प्राप्ति वर्ष के प्राप्ति तथा अदायगी लेखे का सही एवं वास्तविक चित्र प्रस्तुत किया गया है ।

कृते शैलेश अग्रवाल एंड एसोशिएट्स,

सनदी लेखाकार

ह./-

(सी.ए. शैलेश कुमार)

भागीदार (सदस्यता सं. 077337)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 18.07.2012

-----  
 वास्तुकला परिषद् : नई दिल्ली  
 (वास्तुविद् अधिनियम, 1972 के तहत निर्गमित)  
 (लाभेतर संगठन)

31 मार्च 2012 को तुलन-पत्र

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
समग्र/पूँजीगत निधि तथा देयताएँ			
उद्दिष्ट निधियाँ	1	123783478.00	111768802.00
असुरक्षित ऋण	2	150000.00	150000.00
चालू देयताएँ	3	20536348.00	3726809.00
जोड़		144469826.00	115645611.00
परिसम्पत्तियाँ			
स्थायी परिसम्पत्तियाँ	4	6390214.00	6782137.00
निवेश	5	102000000.00	88091580.00
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा पेशगियाँ	6	31701516.98	15620776.03
अधिशेष/घाटा लेखा	7	4378095.02	5151117.97
जोड़		144469826.00	115645611.00
लेखाकरण नीतियाँ तथा लेखाओं पर टिप्पणियाँ	14		

वास्तुकला परिषद् के लिए और उनकी ओर से

इसी तारीख की हमारी अलग से रिपोर्ट के अनुसार कृते,  
 शैलेश अग्रवाल एंड एसोशिएट्स, सनदी लेखाकार

ह./-

विनोद कुमार  
 (रजिस्ट्रार)

ह./- अपठनीय  
 (प्रेसीडेंट)

ह./-

(शैलेश कुमार)  
 सदस्यता सं. 077337

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 18.07.2012

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष का आय-व्यय

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
फीस	8	14525474.00	13370339.00
अन्य आय	9	9237754.00	8171159.00
प्रकाशनों से आय	10	1530836.00	1565249.00
अर्जित ब्याज	11	7495474.03	6757048.78
जोड़ (क)		32759538.03	29863795.78
व्यय			
स्थापना व्यय	12	9691434.00	8863024.00
प्रशासनिक व्यय	13	21811702.08	19687692.99
मूल्यहास	4	513379.00	929634.00
जोड़ (ख)		32016515.08	29480350.99
व्यय से अधिक आय का शेष (क-ख)		773022.95	383444.79
अधिशेष तथा घाट लेखा में अंतरित		773022.95	383444.79
लेखाकरण नीतियाँ तथा लेखाओं पर टिप्पणियाँ	14		

वास्तुकला परिषद् के लिए और उनकी ओर से

इसी तारीख की हमारी अलग से रिपोर्ट के अनुसार कृते,  
शैलेश अग्रवाल एंड एसोशिएट्स, सनदी लेखाकारह./-  
विनोद कुमार  
(रजिस्ट्रार)ह./- अपठनीय  
(प्रेसीडेंट)ह./-  
(शैलेश कुमार)  
सदस्यता सं. 077337स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 20.07.2011

31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति तथा अदायगी लेखा

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियाँ		चालू वर्ष	गतवर्ष	अदायगियाँ			
1	2	3	4	5	6		
7	8						
I	रोकड़ जमा			I	व्यय		
(क)	नकदी शेष	31,000.00	39,425.00	(क)	स्थापना व्यय (अनुसूची 12 के अनुसार)	96,91,434.00	88,63,024.00
(ख)	बैंक शेष			(ख)	प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 13 के अनुसार)	2,03,86,327.08	1,96,87,692.99
(1)	चालू खाते में	1,72,806.67	1,40,956.67				
(2)	बचत खाते में	35,25,080.98	37,11,300.21				
(3)	ड्राफ्ट हाथ में	2,42,138.00	2,65,712.00				
II	प्राप्त निधियाँ			II	विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों से की गई अदायगियाँ		
(क)	मूल्यांकन फीस	52,00,000.00	71,30,000.00				
(ख)	वास्तुविद् निर्देशिका के लिए विज्ञापन	29,18,295.00	28,77,619.00	(क)	नाटा व्यय	1,05,69,701.00	94,45,961.00
(ग)	माध्यस्थम् फीस (निवल)	30,000.00	26,000.00	(ख)	वास्तुविद् निर्देशिका व्यय	56,75,460.00	3,30,900.00
				(ग)	मूल्यांकन तथा निरीक्षण व्यय	66,25,375.00	67,45,030.00
III	प्राप्त ब्याज						
(क)	बैंक जमा पर	79,64,264.99	62,77,912.95				
(ख)	ऋण, पेशगियाँ आदि	0.00	96,000.00	III	निवेश और जमा की गई राशियाँ		
(ग)	बचत बैंक खाते पर	2,45,218.57	1,77,472.83	(क)	उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से	9,66,22,960.00	1,20,41,942.00
(घ)	आयकर विभाग से	50,951.00	86,125.00	(ख)	निजी निधियों से (निवेश-अन्य)	0.00	0.00
IV	फीस से आय			IV	स्थायी परिसंपत्तियों तथा पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
(क)	पंजीकरण फीस	18,49,000.00	18,67,000.00	(क)	स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	2,,08,156.00	3,16,525.00
(ख)	वार्षिक नवीकरण फीस	19,23,200.00	21,05,900.00				
(ग)	पुनःस्थापन फीस	15,34,000.00	11,34,000.00				
(घ)	अनुलिपि प्रमाण-पत्र फीस	1,72,500.00	1,54,500.00				
(ङ)	वास्तुविदों से जुर्माना	54,16,450.00	48,69,540.00				
(च)	एक बारगी नवीकरण फीस का प्रभाजन	36,30,324.00	32,39,199.00				
(छ)	अतिरिक्त अर्हता फीस	00.00	200.00				
V	अन्य आय			V	अन्य अदायगियाँ		
(क)	प्रकाशनों से आय	2,30,790.00	2,55,855.00	(क)	बैंक/कंपनियों द्वारा काट गया टीडीएस	8,53,067.21	6,19,187.83
(ख)	पत्रिकाओं की रायल्टी तथा अभिदान	3,36,550.00	3,27,224.00	(ख)	स्टाफ को पेशगियाँ	92,18,750.00	7,98,750.00
(ग)	समता फीस (निवल)	4,000.00	3000.00	(ग)	अन्य पेशगियाँ	9,36,460.50	1,00,000.00
(घ)	आर टी आई फीस	820.00	290.00	(घ)	लेखागत आंशिक फीस	0.00	38,939.00
(ङ)	नाटा फीस	1,97,72,635.00	1,72,02,860.00	(ङ.)	एक बारगी नवीकरण फीस का प्रभाजन	36,30,324.00	32,39,199.00
(च)	वास्तुकला संबंधी पुस्तकों की बिक्री	9,69,224.00	10,08,569.00	(च)	विज्ञापनदाताओं से प्राप्त राशि	0.00	14,19,788.00

1	2	3	4	5	6	7	8
VI	अन्य प्राप्तियाँ				(छ) विधिक व्यय के लिए प्राप्त राशि	0.00	6,02,350.00
	(क) एक बारगी नवीकरण फीस	1,56,45,000.00	1,11,18,900.00		(ज) प्राप्ति योग्य राशि	831.00	400.00
	(ख) वर्ष के दौरान परिपक्व एफडीआर	8,27,14,540.00	0.00		(झ) बैंक द्वारा टी डी आर पर ब्याज	13,96,418.53	0.00
	(ग) उपस्करों की बिक्री	86,700.00	0.00		(ञ) टी डी एस के रूप में भुगतान राशि-पिछला वर्ष	1,54,033.00	0.00
	(घ) स्टाफ से वसूल की गई पेशगियाँ	9,04,381.00	6,01,129.00		(ट) वर्ष के लिए बैंक ब्याज	1,02,708.07	0.00
	(ङ) वसूल की गई अन्य पेशगियाँ	7,75,002.00	18,33,469.24		(ठ) प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए पूर्वदाता व्यय	19,31,081.00	0.00
	(च) टीडीएस (धन) वापसी	7,83,869.00	7,75,810.00	VI	रोकड़ जमा		
	(छ) लेखागत आंशिक फीस	2,38,280.00	0.00		(क) नकदी शेष	6,500.00	31,000.00
	(ज) प्रोद्भूत ब्याज से ब्याज समायोजित	11,02,407.43	7,39,969.57		(ख) बैंक शेष		
	(झ) कर/राशि देय	4,45,874.00	1,54,776.00		(1) चालू खाते में	42,08,464.67	1,72,806.67
	(ञ) नाट फीस पेशगी	40,37,000.00	0.00		(2) बचत खाते में	71,55,398.58	35,25,080.98
	(ट) विज्ञापन दाताओं से प्राप्त राशि	14,19,788.00	0.00		(3) ड्राफ्ट हाथ में	4,35,990.00	2,42,138.00
	(ठ) विधिक व्यय के लिए प्राप्त राशि	6,02,350.00	0.00				
	(ढ) मूल्यांकन फीस पेशगी	1,48,35,000.00	0.00				
	जोड़	17,98,09,439.64	6,82,20,714.47		जोड़	17,98,09,439.64	6,82,20,714.47

वास्तुकला परिषद् के लिए और  
उसकी ओर से

ह./- अपठनीय      ह./- अपठनीय  
(रजिस्ट्रार)      (प्रेसीडेंट)

इसी तारीख की हमारी अलग से रिपोर्ट के अनुसार  
कृते, शैलेश अग्रवाल एंड एसोशिएट्स सनदी लेखाकार

ह./-  
(शैलेश कुमार)  
सदस्यता सं. 077337

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक: 19.07.2010

## COUNCIL OF ARCHITECTURE

New Delhi - 110 003

## ANNUAL REPORT 2011-2012

The Council of Architecture, constituted under the Architects Act, 1972 under Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, deems it a pleasure to present the Annual Report and Audited Statement of Accounts for the financial year ending on 31.03.2012.

## Organisational Structure:

President, Council of Architecture is head of the organization under whose overall charge the Council functions.

## Statutory and Other Committees:

In order to carry out the objectives of the Act and Regulations framed thereunder, the Council constituted the statutory, committees, namely, the Executive Committee, which functions as an Executive Authority of the Council, Disciplinary Committee, which investigates the complaints and holds enquiries relating to professional misconduct of architects, Advisory Committee (Appeals), which hears the appeals of the applicants whose applications for registration are rejected. Apart from these several other committees are constituted from time to time for particular/special purposes.

## Meetings of the Council and its Committees:

During the year under report, the Council during 2011-2012 met twice i.e. 57th Meeting was held on 16th September, 2011 at Nagpur, Maharashtra and 58th Meeting was held on 9th March, 2012 at Goa.

The Executive Committee during 2011-2012 met seven times i.e. 109th Meeting on 27th April, 2011 at New Delhi, 110th Meeting on 3rd June, 2011 at New Delhi, 111th Meeting on 28th June, 2011 at New Delhi, 112th Meeting on 27th July, 2011 at New Delhi, 113th Meeting on 15th September, 2011 at Nagpur, 114th Meeting on 21st November, 2011 at New Delhi and 115th Meeting on 8th March, 2012 at Goa.

The various decisions and actions taken by the Council during the year under report are summarized as under:

1.0 RESTORATION OF NAMES TO THE REGISTER OF ARCHITECTS MAINTAINED BY THE COUNCIL UNDER THE ARCHITECTS ACT, 1972:

The Council at its 57th meeting approved the restoration of names of 1033 defaulting architects, whose name were restored to the Register of Architects on receipt of requisite fee, during the period from 01.01.2011 to 31.07.2011.

The Council at its 58th Meeting approved the restoration of names of 542 defaulting architects, whose name were restored to the Register of Architects on receipt of requisite fee, during the period from 01.08.2011 to 31.01.2012.

2.0 REMOVAL OF NAMES FROM THE REGISTER OF ARCHITECTS DUE TO REQUEST AND DEATH:

The Council at its 55th Meeting removed the names of following architects from the Register of Architects upon their death as provided under Section 29(1) (b) of the Architects Act, 1972:

- (i) Shri Dilip Kumar Verma, Bhopal [CA/82/6850];
- (ii) Shri Shrinivas Ganorkar, Mumbai [CA/76/2670];
- (iii) Shri Mahesh Khanderaq Mantri, Mumbai [CA/75/1860];
- (iv) Shri S.N. Chawla, Hyderabad, [CA/75/1065];
- (v) Shri M.V. Ram Seshu, Hyderabad [CA/82/7186];
- (vi) Shri Sudarshan Kanti Goswami, Gurgaon, [CA/88/11383];
- (vii) Shri Jawahar Lai Arya, Lucknow, [CA/76/2987];
- (viii) Shri Noshir Naoroji Mehta, Mumbai [CA/75/204];
- (ix) Shri Kamiakar Rajaram Rege, Mumbai [CA/76/2783];

- (x) Shri Prem Nath Nayyar, New Delhi, [CA/75/270]; and
- (xi) Shri Tej Krishen Ganjoo, New Delhi, [CA/78/4592];

Further, the Council also removed the names of following architects upon their request under Section 29(1) (a) of the Architects Act, 1972:

- (i) Ms. Anjali, Newyork, USA [CA/2003/30637];
- (ii) Mrs. Sarojini S. Hankare, Mumbai [CA/76/470];
- (iii) Mr. Shankar S. Hankare, Mumbai [CA/76/466];
- (iv) Mr. Seshadri I. Gurumurthy, Chennai [CA/94/16764];
- (v) Mr. Sat. Kumar Kapoor, New Delhi [CA/76/623];
- (vi) Ms. Preeti Suresh Mishra, Navi Mumbai [CA/2004/33185]; and
- (vii) Mr. R. V. Talsani, Gondal, [CA/76/3382].

The Council at its 56th Meeting removed the names of following architects from the Register of Architects upon their, death as provided under Section 29(1) (b) of the Architects Act, 1972:

- (i) Mr. S.S. Sabni, Kolhapur (CA/75/976);
- (ii) Mr. Ramesh Sadashiv Joll, Mumbai (CA/85/9129);
- (iii) Mr. Kapal Dev Sahgal, New Delhi (CA/75/89);
- (iv) Mr. Jagdish S. Sayal, Delhi (CA/75/2119); and
- (v) Ms. Camille Caravalho, Mumbai (CA/2001/27877).

Further, the Council also removed the names of following architects upon their request under section 29(1) (a) of the Architects Act, 1972:

- (i) Mr. Rajan Guridp Lakule, Mumbai (CA/85/8941);
- (ii) Mr. Chimanlal Chunilal Gandhi, Surat (CA/77/3863);
- (iii) Ms. Priti G. Tembhekar, Nagpur (CA/2001/28147);
- (iv) Mr. N.G. Gujarathi, Mumbai (CA/75/2180);
- (v) Mr. Samir Shukla, Ahmedabad (CA/98/22913);
- (vi) Mr. V. Balasubramanian, Tiruchirapalli (CA/75/2110);
- (vii) Mr. Homi N. Kanga, Mumbai (CA/75/1655); and
- (viii) Mr. Kapil Merchant, Pune, (CA/2002/29721).

Further, the Council of Architecture, in terms of Orders dated 27.05.2011, 24.12.2010, and 08.10.2010 and other connected orders of Hon'ble Addl. District & Sessions Judge, Central District, Tis Hazari Court, Delhi in Ex. No.36/2009-Kanwarpal Sharma v/s. Ramkesh, passed Resolution under Regulation 5 (1) of Council of Architecture Regulations, 1982, circulated vide Council's letter no. CA/28/2011/PMC (Order-ADJ-Delhi), dated 10th June, 2011, for removal of name of Shri Rameshwar Dayal, Architect, registered vide Registration No.CA/87/10693 who was found guilty of professional misconduct under Regulation 2(1) (iii), (viii) and (x) of the Architects (Professional Conduct) Regulations, 1989, as amended in 2003, for submitting incorrect valuation report and deliberately misleading the District Court at New Delhi.

### 3.0 MEETINGS OF THE DISCIPLINARY COMMITTEE:

During the year-under report, no meeting of the Disciplinary Committee of the Council was held as under the Council of Architecture Rules, 1973 as amended in 2009 the Central Government has to constitute the same and notify in official gazette. However, till date the Central. Government has not constituted the Disciplinary, Committee and therefore all the cases are pending.

#### 4.0 REGISTRATION OF ARCHITECTS:

The Council registers a person as an architect under Section 25 of the Act, who resides or carries on the profession of architecture in India and holds, a recognized architectural qualification.

During the year (1st April, 2011 to 31st March, 2012), the Council has registered 3399 persons as architects and with this as on 31st March, 2012, a total of 54915 persons have been registered as architects with Council of Architecture. As on 31st March, 2012, 41428 persons hold valid registration with the Council of Architecture.

#### 5.0 MUTUAL RECOGNITION AGREEMENT WITH BOARD OF ARCHITECTS SINGAPORE & OTHER COUNTRIES:

In terms of the Comprehensive Economic Cooperation Agreement (CECA) signed between Government of India and Government of Singapore the Council is negotiating to enter into a Mutual Recognition Agreement (MRA) with the Boards of Architects Singapore for recognition of Indian architectural qualification and architects to practice in Singapore and vice-versa.

The Council is undertaking negotiations with the Board of Architects Singapore in the matter to finalize the MRA for recognition of Architectural Qualifications and Registration of each other's country.

#### 6.0 NATIONAL BUILDING CODE BY BUREAU OF INDIAN STANDARDS:

The Council vide its letter dated 30th October, 2009, has withdrawn all the nominees from the proceedings of the revision of National Building Code (NBC) by the Bureau of Indian Standards (BIS). The BIS in the proposed provisions of the NBC has reduced the competence and functions of Architects in favour of non-Architects and tried to regulate the profession of Architects under the provisions of the NBC contrary to the provisions of the Architects Act, 1972.

#### 7.0 DISCIPLINARY ACTION ON ARCHITECTS:

Each and every architect is required to observe and abide by the provisions of the Architects (Professional Conduct) Regulations, 1989, as amended in 2003. The Act provides for taking action against an architect who is found guilty of professional misconduct upon investigation and after providing opportunity of being heard to the Architect.

The Council at its 57th Meeting considered 18 complaints for professional misconduct against Architects out of which prima facie case was found against 5 architects and matter was referred to the Disciplinary Committee for detailed investigation.

The Council at its 58th Meeting considered 8 complaints for professional misconduct against architect out of which prima facie case was found against 6 architects and matter was referred to the Disciplinary Committee for detailed investigation.

#### 8.0 APPROVAL OF NEW INSTITUTIONS IN THE ACADEMIC SESSION 2011 - 2012:

During the year under report 60 New institutions were granted approval to impart Bachelor of Architecture Courses. In the already existing institutions 11 new B.Arch. degree courses and 12 new M.Arch. Degree courses were granted approval. With this, the total number of institutions imparting recognized courses in architecture has risen to 234 in 2011-2012. The annual intake of students (approx.) Undergraduate (UG) level is 15151, Postgraduate (PG) level is 1400 and at Ph.D is 30.

#### 9.0 EXTENSION OF APPROVAL FOR THE ACADEMIC SESSION 2010-2011 ONWARDS:

Council of Architecture granted extension of approval or otherwise for B.Arch. & M.Arch. Courses to 108 institutions for the academic session 2011-2012 as under:

- (i) Institutions granted extension of approval for B.Arch. Course for 2011-2012 onwards with existing or higher intake: 11.
- (ii) Institutions granted extension of approval for M.Arch. Course for 2011- 2012 onwards with existing or higher intake: 10.
- (iii) Institutions put on 'No Admission' for 2011-2012: NIL
- (iv) Institutions put on 'Withdrawal of recognition' for 2011-2012: NIL

The Council has also initiated the process of inspection for the academic session 2011-2012 of institutions, which are due for inspections.



# 10.0 RECOGNITION OF FOREIGN QUALIFICATIONS UNDER THE ARCHITECTS ACT, 1972, BY THE CENTRAL GOVERNMENT:

The Council has received references from the Central Government for recognition of Architectural Degree awarded by Lincoln School of Architecture, University of Lincoln, UK, for the purposes of the Architects Act, 1972.

A committee for considering requests of Recognition of Foreign Qualifications has been constituted by the Council to examine and consider all cases relating to recognition of foreign qualifications. Recommendations of the Council in respect of the same shall be sent to the Central Government in the Ministry of HRD in due course.

# 11.0 CONDUCT OF PROFESSIONAL EXAMINATION BY THE COUNCIL OF ARCHITECTURE BEFORE GRANTING REGISTRATION AS AN ARCHITECT TO PERSONS POSSESSING RECOGNISED QUALIFICATIONS:

The Council approved the Draft Regulations for conduct of Professional Examination by it before registering any person as an architect. The Regulations have been sent to the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, for conveying the approval of the Central Government. The President, Council of Architecture has also met the Hon'ble Minister of HRD for expediting the approval of the Central Government in the matter.

# 12.0 TRAINING PROGRAMMES

11 training programmes were conducted by the Council for teachers and professional Architects during the last year. The programmes were attended by 150 participants representing 45 schools of architecture and 4 professional offices and institutes across the country.

The details of the programmes are as follows :

Sr. No.	Name of Programme	Name of Coordinator	Dates	No. of Participants
1.	PRA Workshop	Prof. Aneeta Gokhale- Benninger	02 May to 06 May 2011	08
2.	Space Syntax	Dr. R. K. Pandit	13 June to 17 June 2011	17
3.	Theme- Conservation	Ar. Anjali and Kiran Kalamdani	26 July to 30 July 2011	06
4.	Early Faculty Introduction	Prof. Ujwala Chakradeo & Dr. Laxmi Rao	01 August to 10 August 2011	13
5.	Ekistics	Prof. Madhav Deobhakta	11 November to 15 November 2011	21
6.	Neo-Urbanism	Dr. R. K. Pandit	21 November to 25 November 2011	06
7.	Transmission of Knowledge in Architecture (At Nagpur)	Ar. Pratima Dhole	22 November to 26 November 2011	28
8.	Research Methodology in Architecture	Dr. R. K. Pandit	19 December to 23 December 2011	16
9.	Housing Studio	Prof. Pradnya Chauhan	09 January 2012 to 13 January 2012	05
10.	Rural Studio Review	Prof. Aneerudha Paul	22 February-23 February 2012	06
11.	NATA Question Bank Development Workshop (NTQ)	Pushkar Kanvinde	20 March 2012	24
Total participants				150

The workshops and training programmes include several sessions of onsite experience. The topics covered during the programmes are as follows:

1. PRA Workshop (Hands on): 2nd May to 6th May, 2011. (05 days) Coordinated By Prof. Aneeta Gokhale-Benninger

Topics covered:

1. Introduction
2. Work sessions-I, II, III, IV

3. Plenary of Work sessions- 1, II, III, IV
4. Field Visits
2. Space Syntax: 13th June to 17th June , 2011 (5 days) Coordinated By Dr. R. K. Pandit  
Topics covered:
  1. Architecture SPACE & SYNTAX
  2. Space Syntax in Architectural Design
  3. House Forms
  4. Homogeneity and Heterogeneity of Spaces
  5. Frontages
  6. Sociological and Psychological aspects of Space Planning
  7. Journey of Time and Space
  8. Fabric of Space and Time
  9. Time warping and Activity Recognition
  10. Human Motion
  11. Syntax Analysis
  12. Shape Dynamics
  13. Guiding Data
  14. Intelligent Buildings or Intelligently Designed Buildings
  15. Evaluation Matrix for Green Buildings & Simulation Process
  16. Urban Analysis
  17. Urban Syntax
  18. Application of soft computing in Urban Planning & Management
  19. GIS and Planning Analysis
3. Theme-Conservation: 26th July to 30th July 2011 (5 days) Coordinated By Ar. Anjali and Kiran Kalamdani  
Topics covered:
  1. 20 Yrs. of Conservation at Kimaya
  2. An Overview of Heritage Committee and Cell
  3. Approach towards Conservation
  4. Music and Architecture
  5. Structural Aspects of Conservation
  6. Experiences in Urban Conservation
  7. Vision for District Conservation & tourism
  8. Gallery of Maratha Greats at Shanivarwada
  9. Site Visits and Conservation case studies:
    - (i) Vishrambagwada,
    - (ii) Mahabaleshwar -Jer Villa,
    - (iii) Temple complex at Theur,
    - (iv) Belapur Fort,
    - (v) Temple at Kinhai

vi) Agriculture College

vii) Deccan College

4. Early Faculty Introduction: 1st to 10th August, 2010 (10 days) Coordinated By Prof. Ujwala Chakradeo & Dr. Laxmi Rao

Topics covered:

1. Bloom's Taxonomy
2. Higher Order Thinking
3. Inventory
4. Module of Teaching
5. Models of Teaching
6. Inventory of Learning Styles
7. NLP
8. Teaching-Learning Environment
9. Introduction to Creativity
10. Creativity in Architecture
11. Philosophy of Life, Education and Architecture
12. Six Thinking Hats
13. Design Exercise Using Six Thinking Hats
14. Rule of Unit Planning in Studio
15. Established Design Process
16. Research Methodology
17. Methods of Research
18. Role of Professional bodies

5. Ekistics: 11th to 15th November 2011 (5 days) Coordinated By Prof. Madhav Deobhakta

Topics covered:

1. Introductory Remarks
2. Need for a Science of Ekistics
3. Ekistics Frameworks (Population Scales)
4. Ekistics Frameworks (Time Scales)
5. Ekistics Frameworks Ekistics Units (Territorial Scales)
6. Ekistics Frameworks Ekistics Elements (Territorial Scales)
7. Ekistics Methodology (QOL-Principle)
8. Ekistics Methodology (IDEA)
9. Ekistics Methodology (Anthropo-cosmos Model)
10. Ekistics Methodology (18 Hypothesis)
11. Taxonomy Classification
12. C.A. Doxiadis & Ekistics
13. Concepts and examples

- 
14. Planning of sustainable cities
  15. Synthesis
  6. NEO Urbanism: 21st to 25th November, 2011 (5 days) Coordinated By Dr. R. K. Pandit  
Topics covered:
    1. Neo Urbanization
    2. History of Urbanization
    3. People & Culture of India.
    4. New Urbanism
    5. Urban Mosaic
    6. Sustainable Neo Urbanism
    7. Sustainable Future (Peri Urban)
    8. Urban Fringe Analysis
    9. Urban Patterns
    10. Concepts of Urban Design
    11. Urban Analysis
    12. Zoning
    13. Urban Morphology
    14. Urban Population & Environment
    15. Urban Techniques
    16. Urban Landscape
    17. Urban Ecology
    18. Urban Design & Structure
    19. City Transformation
  7. Transmission of Knowledge in Architecture: 22nd November to 26th November, 2011 Coordinated By Ar. Pratima Dhole
  8. Research Methodology: 19th to 23rd December, 2011 (5 days) Coordinated By Dr. R. K. Pandit  
Topics covered:
    1. Introduction to Research Methodology
    2. Philosophy of Research Methodology
    3. Scientific Research Techniques
    4. Interactive Group Research Session I
    5. Architectural Research Methods
    6. Research Structure & Design
    7. Reasoning and Logic
    8. Interactive Micro/Macro Research Session II
    9. Sampling and Quantitative Methods of Data Analysis
    10. PRP/RPR/PR & Synopsis.
    11. Research Ethics

## 12. Theory, Practice And Guidelines

## 9. Housing Studio: 09th to 13th January, 2012 (5 days) Coordinated By Prof. Pradnya Chauhan

Topics covered:

1. Introduction to housing.
2. Housing and urbanization, population explosion, mixed land use and housing density
3. Introduction to "Pattern Language by Christopher Alexander"
4. What are the design issues that we need to address?
5. Design development Cluster design, issues involved
6. Design development, Unit design, issues involved.
7. Analysis of built form, study of grids, Modular ratio
8. How to write design brief for housing project?
9. Case studies of vernacular housing Courtyard houses, pol housing, chawls of Mumbai
10. Case studies of modern housing Artist's village, Asiatic village, Aranya housing Introduction to Ekistics grid
11. Housing projects carried out at Rizvi College of Architecture.

## 10. Rural Studio Review: 22nd to 23rd February, 2012 (2 days) Coordinated By Prof. Aneerudha Paul and Prof. Jayashree Deshpande.

## 11. NATA Question Paper Setter Workshop: 20th March, 2011 (1 day) Coordinated By Prof. Pushkar Kanvinde.

## 13.0 National Aptitude Test in Architecture :

National Aptitude Test in Architecture was offered from 15th April 2011 till 30th October 2011 to prospective candidates looking forward to take up Architecture as career. The Status of the NATA Examination as follows:

1. Total Number of Unique Candidates: 20064
2. Total Number of Appointments: 25355
3. Results Declared: 23617
4. Passed Candidates: 16436
5. Failed Candidates: 7181

## 14.0 National Thesis Awards Program-2011:

Council of Architecture through NIASA initiated the Sixth National Thesis Awards Program for undergraduate thesis projects to encourage the young talent. The zonal juries were held at the following places:

Zone	Place	Coordinating College
1.	Gurgaon	Sushant School of Art and Architecture, Gurgaon
2.	Nagpur	IDEAS-Institute of Design Education & Architecture Studies, Nagpur
3.	Nashik	Vidya Vardhan's IDEA, Institute of Design Environment and Architecture, Nashik
4.	Bijapur	BLDE Association's V.P., Dr. P. G. Halakatti College of Engineering, Bijapur
5.	Chennai	Sathyabama University, Chennai

The members of Jury for Zonals were :

1. Gurgaon - Ar. Aniruddh Paul, Ar. Edgar D'mello & Ar. Anup Naik
2. Nagpur - Ar. M. N. Ashish Ganju, Ar. I. M. Chishti & Ar. Chitra Vishwanath

3. Nashik - Ar. Satyaprakash Varabashi, Ar. Surya Kakani & Ar. D. V. Solomon
4. Bijapur - Ar. Sahrad Panchal, Ar. Vandana Ranjit Sinh & Ar. Snehanshu Mukherji
5. Chennai - Ar. Ayan Sen, Ar. Jaimini Mehta & Ar. Savita Punde

The National Jury was held at BMS College of Architecture, Bangalore. The members of Jury for National finals were Ar. K. Jaisim, Ar. Gunter Nest & Ar. Ram Sharma.

#### 15.0 ARCHITECTURAL COMPETITIONS:

The Council is assisting a number of promoters for the conduct of the architectural design competitions for selection of architects for construction of their buildings.

The Council also wrote to several public authorities to appoint architects as per Architectural Competition Guidelines and not to appoint through tender or bid process on payment of lowest fee. The guidelines and inputs required by the promoters and competitors from the Council in the conduct of the competitions were also made available as and when requests were received.

#### 16.0 ENFORCEMENT OF THE ARCHITECTS ACT, 1972 AND REGULATIONS FRAMED THEREUNDER:

Sections 36 and 37 of the Architects Act, 1972, impose prohibition on misrepresentation as an architect as well as misuse of title and style of architect and violation of the prohibition is a punishable offence. Upon receipt of the complaints of misuse of title and style of architect, the Council files complaints u/s 39 before the First Class Magistrate for taking cognizance of the offences.

The Council is vigorously pursuing such criminal complaints filed before the Metropolitan Magistrate in New Delhi, against persons who have violated the provisions of the Architects Act, 1972 and misrepresented or misused the title and style of architect. Presently about 13 complaints are pending for adjudication before the Court.

Further, a total of about 99 cases are pending in different courts relating to enforcement of the provisions of the Architects Act, 1972 and other related matters where Council is one of the parties

#### 17.0 PUBLICATIONS

The books on the Awards for Excellence in Architectural Thesis titled "Archiving Architectural Thesis '06, 07, 08" and Archiving Architectural Thesis '10 and book by Prof. Madhav Deobhakta titled "Arbitration for Architects" whose design and content had been finalised were printed and published. 500 copies of the book titled Monograph of Poppo Pingel" by Dr. Mona Doctor were taken for distribution to colleges of architecture.

The following books are in the process of designing and are expected to be published shortly:

- i. The courtyard wada of Maharashtra: By Dr. Rupa Raje Gupta
- ii. Archiving Architectural Thesis 2011

#### 18.0 ACKNOWLEDGEMENTS

The Council is functioning with skeleton staff strength and carrying out its statutory functions efficiently on all India basis out of its own resources. The Council would like to place on record its appreciation and gratitude to the Central Government, all State Governments and all Schools of Architecture, for extending their cooperation to Council in implementation of the Architects Act, 1972. The Council also expresses its gratitude to the office bearers and members of the Council of Architecture, Experts, Auditor, Advocates, other professional bodies, practising architects, academicians and all advertisers for their cooperation, guidance, advice and support for furthering the objectives of the Architects Act, 1972.

The Council expresses its gratitude to its Officers & employees and all those who have rendered useful services to it during the year 2011 -2012.

SHAILESH AGGARWAL & ASSOCIATES  
CHARTERED ACCOUNTANTS

New Delhi-17

AUDITORS' REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of "COUNCIL OF ARCHITECTURE", India Habitat Centre, Core 6-A, 1st Floor, Lodhi Road, New Delhi - 110003, as at 31st March, 2012, the Income & Expenditure Account and the Receipts & Payment Account for the year ended on 31st March, 2012, incorporating the accounts of all the Council Offices. These financial statements are the responsibility of the management of the Council. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted the audit in accordance with the Auditing Standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall financial statements presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion subject to note nos. 01, 02, 04, 05, 06, 07 & 10 to 14 of Annexure No. 14 - Significant Accounting Policies & Notes forming part of Accounts.

We further report that:

1. We have obtained all the information and explanation, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit;
2. In our opinion, proper books of accounts as required by Architects Act, 1972 have been kept by the Council in so far as appears from our examination of such books;
3. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with the report are in agreement with the books of account; and
4. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said statement of accounts together with the schedules attached and read with the accounting policies and notes forming part of accounts give a true and fair view:-
  - a) In the case of Balance Sheet of the statement of affairs of the Council as at 31st March, 2012 and
  - b) In case of Income & Expenditure Account of the excess of Income over Expenditure for the year ended on that date.
  - c) In case of Receipts & Payments Account of the receipts and payments flows for the year ended on that date.

For SHAILESH AGGARWAL & ASSOCIATES

CHARTERED ACCOUNTANTS

FRN 0086 21C

CA. SHAILESH KUMAR

PARTNER

M. NO. F-077337

Date: 18.07.2012

Place : New Delhi

COUNCIL OF ARCHITECTURE : NEW DELHI  
(incorporated under the Architects Act, 1972)  
(NON-PROFIT ORGANISATION)

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2012

(Amount - Rs.)

	Schedule	Current Year	Previous Year
1	2	3	4
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
EARMARKED FUNDS	1	123783478.00	111768802.00
UNSECURED LOANS	2	150000.00	150000.00
CURRENT LIABILITIES	3	20536348.00	3726809.00
TOTAL		144469826.00	115645611.00

1	2	3	4
ASSETS			
FIXED ASSETS	4	6390214.00	6782137.00
INVESTMENTS	5	102000000.00	88091580.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	6	31701516.98	15620776.03
SURPLUS / DEFICIT ACCOUNT	7	4378095.02	5151117.97
TOTAL		144469826.00	115645611.00
ACCOUNTING POLICIES & NOTES TO ACCOUNTS	14		

## INCOME &amp; EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH, 2012

(Amount - Rs.)

	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Fees	8	14525474.00	13370339.00
Other Income	9	9237754.00	8171159.00
Receipts from Publication	10	1530836.00	1565249.00
Interest Earned	11	7495474.03	6757048.78
TOTAL (A)		32789538.03	29863795.78
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	12	9691434.00	8863024.00
Administrative Expenses	13	21811702.08	19687692.99
Depreciation	4	513379.00	929634.00
TOTAL (B)		32016515.08	29480350.99
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		773022.95	383444.79
Transferred to Surplus and Deficit Account		773022.95	383444.79
ACCOUNTING POLICIES & NOTES TO ACCOUNTS	14		

For and on behalf of  
COUNCIL OF ARCHITECTURE

In terms of our separate report of even date  
For SHAILESH AGGARWAL & ASSOCIATES  
Chartered Accountants  
FRN 008621C

VINOD KUMAR  
(REGISTRAR)

Sd/- ILLEGIBLE  
(PRESIDENT)

SHAILESH KUMAR  
M.N.077337

Place : New Delhi

Date : 18.07.2012



RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED ON 31<sup>ST</sup> MARCH, 2012

(Amount — Rs.)

RECEIPTS		Current Year	Previous Year	PAYMENTS		Current Year	Previous Year
1	2	3	4	5	6	7	8
I. Opening Balance				I. Expenses			
a) Cash in hand	31,000.00	39,425.00		a) Establishment Expenses (corresponding to Schedule 12)	96,91,434.00	88,63,024.00	
b) Bank Balances				b) Administrative Expenses (corresponding to Schedule 13)	2,03,86,327.08	1,96,87,692.99	
1) In Current Accounts	1,72,806.67	1,40,956.67		II. Payments made against funds for various Projects			
2) Savings Accounts	35,25,080.98	37,11,300.21		a) NATA Expenses	1,05,69,701.00	94,45,961.00	
3) Drafts at Hand	2,42,138.00	2,65,712.00		b) Directory of Architects Expenses	56,75,460.00	3,30,900.00	
II. Funds Received				c) Evaluation & Inspection Expenses	66,25,375.00	67,45,030.00	
a) Evaluation Fees	52,00,000.00	71,30,000.00		III. Investments and deposits made			
b) Advertisements for Directory of Architects	29,18,295.00	28,77,619.00		a) Out of Earmarked/ Endowment funds	9,66,22,960.00	1,20,41,942.00	
c) Arbitration Fee	30,000.00	26,000.00		b) Out of Own Funds (Investments-Others)	0.00	0.00	
III. Interest Received				IV. Expenditure on Fixed Assets & Capital Work-in-Progress			
a) On Bank deposits	79,64,264.99	62,77,912.95		a) Purchase of Fixed Assets	2,08,156.00	3,16,525.00	
b) Loans, Advances etc.	0.00	96,000.00		V. Other Payments			
c) On Savings Bank Account	2,45,218.57	1,77,472.83		a) TDS deducted by the Bank/Companies	8,53,067.21	6,19,187.83	
d) From Income Tax Dept.	50,951.00	86,125.00		b) Advances to Staff	92,18,750.00	7,98,750.00	
IV. Fee Income				c) Other Advances	9,36,460.50	1,00,000.00	
a) Registration Fee	18,49,000.00	18,67,000.00		d) Part Fees on Account	0.00	38,939.00	
b) Annual Renewal Fee	19,23,200.00	21,05,900.00		e) Apportionment of One Time Renewal Fees	36,30,324.00	32,39,199.00	
c) Restoration Fee	15,34,000.00	11,34,000.00		f) Amount receivable from advertisers	0.00	14,19,788.00	
d) Duplicate Certificate Fee	1,72,500.00	1,54,500.00		g) Amount receivable on a/c of Legal Expenses	0.00	6,02,350.00	
e) Fine from Architects	54,16,450.00	48,69,540.00		h) Amount receivable	831.00	400.00	
f) Apportionment of One Time Renewal Fees	36,30,324.00	32,39,199.00		i) Interest on TDR debited by the Bank	13,96,418.53	0.00	
g) Additonal Qualification Fee	0.00	200.00		j) Amount paid as TDS towards-Last Year	1,54,033.00	0.00	
V. Other Income				k) Bank Interest Accured for the Year	1,02,708.07	0.00	
a) Income from Publications	2,30,790.00	2,55,855.00		l) Prepaid Expenses for Evaluation of Proposals	19,31,081.00	0.00	
b) Royalty of Magazine & Subscription	3,36,550.00	3,27,224.00		VI. Opening Balance			
c) Equivalence Fees	4,000.00	3000.00		a) Cash In Hand	6,500.00	31,000.00	
d) RTI Fees	820.00	290.00		b) Bank Balances			
e) NATA Fees	1,97,72,635.00	1,72,02,860.00		1) In Current accounts	42,08,464.67	1,72,806.67	
f) Sale of Architectural Books	9,69,224.00	10,08,569.00		2) Savings Accounts	71,55,398.58	35,25,080.98	
VI. Other Receipts							
a) One Time Renewal Fee	1,56,45,000.00	1,11,18,900.00					
b) FDR's Matured during the year	8,27,14,540.00	0.00					
c) Sales of Equipments	86,700.00	0.00					
d) Advances Recovered from Staff	9,04,381.00	6,01,129.00					

1	2	3	4	5	6	7	8
e)	Other Advances Recovered	7,75,002.00	18,33,469.24		3) Drafts at Hand	4,35,990.00	2,42,138.00
f)	TDS Refund	7,83,869.00	7,75,810.00				
g)	Part Fee on Account	2,38,280.00	0.00				
h)	Interest adjusted agst. interest Accured	11,02,407.43	7,39,969.57				
i)	Taxes/Amount/Postage payable	4,45,874.00	1,54,776.00				
j)	NATA Fees Advance	40,37,000.00	0.00				
k)	Amount received from Advertisers	14,19,788.00	0.00				
l)	Amount received on account of Legal Expenses	6,02,350.00	0.00				
m)	Evaluation Fees Advance	1,48,35,000.00	0.00				
Total		17,98,09,439.64	6,82,20,714.47	Total		17,98,09,439.64	6,82,20,714.47

for and on behalf of  
COUNCIL OF ARCHITECTURE

Sd./-  
(REGISTRAR)

Sd./-  
(PRESIDENT)

In terms of our separate report of even date  
for SHAILASH AGGARWAL & ASSOCIATES  
Chartered Accountants (PRN-008621C)

Sd./-  
(SHALES KUMAR)  
F- 077337

Place : New Delhi

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में मुद्रित  
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2013  
PRINTED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS,  
N.I.T. FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2013  
www.dop.nic.in